दैनिक
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 06
अंकः- 188
मुरादाबाद
(Wednesday)
28 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भारत दौरे पर लिकटेंस्टाइन के युवराजः राष्ट्रपति भवन में हुआ औपचारिक स्वागत, पीएम के साथ द्विपक्षीय चर्चा

लिकटेंस्टाइन के युवराज एलोइस अपनी पत्नी युवरानी सोफी के साथ भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में उनका औपचारिक स्वागत किया गया। नई दिल्ली में उनके कार्यक्रमों में राजघाट पर पुष्पांजलि और प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता शामिल है। लिकटेंस्टाइन के युवराज एलोइस मंगलवार को अपनी पत्नी युवरानी सोफी के साथ नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन पहुंचे। यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में उनका औपचारिक स्वागत किया गया। समारोह से पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी राष्ट्रपति भवन में मौजूद रहे। सोमवार को भारत पहुंचे थे युवराज- युवराज एलोइस अपनी पत्नी के साथ सोमवार को भारत की राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा से भारत और लिकटेंस्टाइन के द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर बताया कि वडोदरा की यात्रा के बाद युवराज एलोइस नई दिल्ली पहुंचे। हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने उनका स्वागत किया।इससे पहले युवराज सोमवार को मुंबई पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने अपनी राजकीय यात्रा के तहत वडोदरा का दौरा किया। उनके साथ उच्चस्तरीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल और उद्योग जगत के प्रमुखों वाला कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है।पीएम मोदी के साथ होगी द्विपक्षीय वार्ता- विदेश मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत के बाद युवराज एलोइस के कार्यक्रम में राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित करना और हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करना शामिल है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री जयंत चौधरी भी युवराज से मुलाकात करेंगे।व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर जोर-युवराज की यह यात्रा भारत और लिकटेंस्टाइन के बीच कूटनीतिक, व्यापारिक और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से हो रही है। दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूती देने में भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते की भी अहम भूमिका है। यह समझौता 2025 में लागू हुआ था।भारत और लिकटेंस्टाइन ने 1993 में राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। वर्ष 2023 में दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों की 30वीं वर्षगांठ मनाई थी। इससे पहले युवराज एलोइस फरवरी 2026 में एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल होने के लिए नई दिल्ली आए थे। वह 2010 और 2018 में भी भारत का दौरा कर चुके हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, युवराज का राजकीय दौरा बुधवार को समाप्त होगा और इसके बाद वह भारत से रवाना होंगे।

दिल्ली में राहुल गांधी की जन सुनवाईः कहा- सीईसी के इस्तीफे तक नहीं रुकेगा विपक्ष, ऊपर से हो रही वोट चोरी

दिल्ली के त्रिलोकपुरी में आयोजित वोट अधिकार जीने का अधिकार जन सुनवाई में राहुल गांधी ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़ी शिकायतें सुनीं। उनके साथ सीपीआई (एमएल) के नेता दीपांकर भट्टाचार्य और स्वराज इंडिया के योगेंद्र यादव भी मौजूद थे।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को दिल्ली के त्रिलोकपुरी स्थित ब्लॉक 20 में वोट अधिकार जीने का अधिकार जन सुनवाई में शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि देश में ऊपर के स्तर से वोट चोरी की जा रही है और गरीबों के नाम जानबूझकर मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट है और जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें पद से नहीं हटाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। राहुल गांधी ने कहा, इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट है। वोट भारत के हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। इसके बावजूद देशभर में करोड़ों लोगों से उनका यह अधिकार यानी वोट व्यवस्थित तरीके से छीना जा रहा है।

गरीबों के नाम जानबूझकर हटाने का आरोप- कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, हम लंबे समय से यह मुद्दा उठा रहे हैं, लेकिन अब पूरा देश समझने लगा है कि ऊपर के स्तर से वोट चोरी हो रही है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि गरीबों के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इससे उनके अधिकार और सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं।राहुल गांधी ने कहा, %%गरीबों के नाम जानबूझकर मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं और उनके अधिकार तथा सुविधाएं छीनी जा रही हैं। ऐसा क्यों किया जा रहा है? एक ऐसा 'नया हिंदुस्तान' बनाने के लिए, जो कुछ चुने हुए अरबपतियों का हो। जहां आम नागरिकों और गरीबों के अधिकार न हों और देश केवल अरबपतियों के हित में चलाया जाए। चार बूथों से 416 नाम हटाने का आरोप- राहुल गांधी ने कहा कि इस जन सुनवाई के जरिए लोगों ने बताया कि चार बूथों से 416 नाम कथित तौर पर अवैध तरीके से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा, भारत के हर नागरिक को वोट देने का अधिकार है। हम लंबे समय से इस मुद्दे को उठा रहे हैं। आज लोगों को समझ आ गया है कि वोट चोरी हो रही है और गरीबों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ई20 पेट्रोल के खिलाफ पैसे देकर चलाया गया अभियान,: नितिन गडकरी ने किया बड़ा दावा, कहा- अब खत्म हो गया शोर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने का विरोध एक पेड कैंपेन था। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि अगले दो वर्षों में राजमार्गों की स्थिति बेहतर हो जाएगी और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा।केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने को लेकर बड़ा बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को बताया कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने को लेकर हुआ विरोध एक पेड कैंपेन (पैसे देकर चलाया गया अभियान) था। यह बयान सरकार द्वारा केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में बदलाव की अधिसूचना जारी करने के एक दिन बाद आया है। इन बदलावों के तहत अब ऐसे फ्लेक्स-फ्यूल% वाहनों को अनुमति दी गई है, जो ई100 (लगभग शुद्ध इथेनॉल) तक पर चल सकते हैं।उद्योग संगठन सीआआइ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, गडकरी ने कहा कि भारत जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करके अपनी कीमती विदेशी मुद्रा बचा सकता है। मिला हुआ पेट्रोल) ईंधन के खिलाफ काफी हंगामा किया गया था; अब ई20 ईंधन के खिलाफ सारा विरोध खत्म हो गया है। यह एक पेड कैंपेन था। मंत्री ने यह भी बताया कि सोशल मीडिया पर कुछ राजमार्गों की खराब हालत को लेकर आई शिकायतों पर ध्यान देते हुए, उन्होंने हाल ही में 700-800 परियोजनाओं की समीक्षा की है।

योगी कैबिनेट ने 22 प्रस्तावों को दी मंजूरीः चार औद्योगिक परियोजनाओं को मिली स्वीकृति; कई अहम फैसलों पर मुहर

यूपी कैबिनेट ने नोएडा गौतमबुद्ध नगर की चार औद्योगिक परियोजनाओं को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी करने की मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में कुल 1709.84 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को उत्तर प्रदेश कैबिनेट की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में कुल 22 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। कैबिनेट ने पशुधन क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई अहम निर्णय लिए। किसानों की आय बढ़ाने और प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा करने से जुड़े प्रस्तावों को विशेष प्राथमिकता दी गई। ये निर्णय प्रदेश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक होंगे।कैबिनेट को बताया गया कि उत्तर प्रदेश दूध उत्पादन में देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश अंडा, ऊन और मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी मजबूत स्थिति रखता है। हालांकि, इन क्षेत्रों में मूल्य संवर्धन की आवश्यकता है। डिजिटल प्रबंधन और संगठित बाजार व्यवस्था को बेहतर बनाने की जरूरत है।

यूपी कैबिनेट ने नोएडा गौतमबुद्ध नगर की चार औद्योगिक परियोजनाओं को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी करने की मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में कुल 1709.84 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। हैवेल्स इंडिया लिमिटेड 879 करोड़ रुपये और एलजी सॉफ्ट 634 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

अमेरिप्राइज इंडिया एलएलपी 112.84 करोड़ रुपये तथा मेटलाइफ ग्लोबल ऑपरेशंस सपोर्ट सेंटर प्राइवेट लिमिटेड 84 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इनमें से दो परियोजनाएं नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में प्रस्तावित हैं। शेष दो परियोजनाएं निजी भूमि पर स्थापित की जाएंगी। इन निवेश प्रस्तावों से जिले में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पशुपालन से किसानों की आय बढ़ाने पर जोर- सरकार का मुख्य उद्देश्य पशुपालन को किसानों की आय बढ़ाने का प्रमुख माध्यम बनाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्टेट लैब स्टार्ट मिशन के गठन का प्रस्ताव रखा गया है। इस मिशन के तहत रोजगार सृजन पर ध्यान दिया जाएगा। उद्यमिता विकास को भी बढ़ावा दिया जाएगा। पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने और पशु उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।उन्नत नस्ल और उत्पादन लक्ष्य- योजना में उन्नत नस्ल के पशुओं को बढ़ावा देने का प्रावधान है। गाय की नस्ल सुधारने के लिए भी विशेष उपाय किए जाएंगे। दूध उत्पादन बढ़ाकर प्रति गाय प्रतिदिन 10 लीटर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही मुर्गी पालन को प्रोत्साहित करने के लिए सहायता देने की बात कही गई है। बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए भी सहायता प्रदान की जाएगी।

राम मंदिर चंदा चोरीः कांग्रेस ने 105 बार नकदी निकालने का लगाया आरोप, सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग

कांग्रेस ने राम मंदिर ट्रस्ट में चंदे, निर्माण ठेकों और कीमती दान से जुड़ी कथित अनियमितताओं की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच और पूरे हिसाब-किताब को सार्वजनिक करने की मांग की है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर केंद्र व राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है।राम मंदिर के चंदे और निर्माण कार्यों में कथित गड़बड़ियों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने मांग की है कि पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच कराई जाए, ताकि चंदे के हिसाब-किताब से लेकर निर्माण कार्यों के ठेकों तक की सच्चाई सामने आ सके। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि बड़े लोगों की जिम्मेदारी तय करने के बजाय छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा रही है।जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि राम मंदिर ट्रस्ट को नवंबर 2020 में ही वित्तीय व्यवस्था और कामकाज में गड़बड़ियों को लेकर आगाह किया गया था। उनके मुताबिक, एक निजी ऑडिट फर्म ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ट्रस्ट में जिम्मेदारियां तय नहीं थीं और चंदे का हिसाब रखने की व्यवस्था भी कमजोर थी। रमेश के अनुसार, लेन-देन और डेटा की जांच के लिए दूसरे स्तर की व्यवस्था नहीं थी। हजारों कर्मचारियों के बावजूद मानव संसाधन विभाग नहीं था। बैंक खातों का मिलान करने और हिसाब-किताब संभालने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी थी। साथ ही, कंप्यूटर पर दर्ज आंकड़ों की सुरक्षा और जांच के भी पर्याप्त इंतजाम नहीं थे।कांग्रेस का आरोप है कि ऑडिट फर्म ने हर लेन-देन के लिए स्पष्ट नियम बनाने और सोने-चांदी जैसी कीमती भेंट का पूरा रिकॉर्ड रखने की सलाह दी थी, लेकिन इन सुझावों पर गंभीरता से अमल नहीं हुआ। रमेश ने कहा कि जब शुरुआत में ही कमियों की जानकारी मिल गई थी, तो समय रहते सुधार क्यों नहीं किए गए?

सतत विकास से वैश्विक शांति तकः ब्रिक्स देशों ने मिलकर काम करने का लिया संकल्प

नई दिल्ली में 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच की शुरुआत पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्य और साझेदार देशों की संसदों से वैश्विक शांति, सतत विकास, तकनीकी नवाचार और आम लोगों की भलाई के लिए मिलकर काम करने की अपील की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ब्रिक्स देशों के सांसदों से मुलाकात की।भारत की अध्यक्षता में 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का आयोजन 26-27 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली में किया गया। मंच में ब्रिक्स सदस्य देशों के संसदीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सतत विकास, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, वैश्विक शांति तथा लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। सम्मेलन के समापन पर संयुक्त घोषणा जारी की गई, जिसका विषय 'लोगों-केंद्रित विकास के लिए संसदों को प्रोत्साहित करना' रहा। मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई- संयुक्त घोषणा में ब्रिक्स देशों ने संसदीय सहयोग को मजबूत करने और साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। इसमें ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात सहित ब्रिक्स सदस्य देशों का उल्लेख किया गया। घोषणा में भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत तय प्राथमिकताओं का समर्थन किया गया। इनमें लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर विकास को बढ़ावा देना शामिल है। सदस्य देशों ने साझा चुनौतियों का संतुलित, समावेशी और भविष्य को ध्यान में रखकर समाधान निकालने की आवश्यकता पर बल दिया। 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने पर जोर- संयुक्त घोषणा में संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (स्ठत्नह्य) और 2030 एजेंडा को लागू करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। इसमें गरीबी उन्मूलन को सतत विकास की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया गया। लक्ष्यों को पूरा करने पर जोर दिया। घोषणा में डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल, संस्थागत क्षमता मजबूत करने और विकासशील देशों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में सहयोग बढ़ाने की बात कही गई। साथ ही, समावेशी शासन व्यवस्था और वैश्विक स्तर पर सामूहिक कार्रवाई को तेज करने की जरूरत बताई गई।

संपादकीय Editorial

India-US Oil Alliance

Why has US President Trump suddenly become so courteous and friendly? He has started speaking positively about India. He is hopeful that a trade agreement with India will be reached. Trump has consistently stated that the agreement is in the final stages. The US President sent Secretary of State and National Security Advisor Marco Rubio to India as his representative. During his three-day visit, Rubio described India as a "refining superpower." He met with top industrialists such as Reliance Chairman Mukesh Ambani, Adani Group Chairman Gautam Adani, and Tata Sons Chairman N. Chandrasekaran. This is a clear sign of commercial diplomacy. The US Secretary of State visited Reliance's Jamnagar refinery because he knows that only the Jamnagar refinery can refine Venezuela's sulfur-rich, heavy, low-grade crude oil. India is the fourth most powerful country in the refining sector, after the United States, China, and Russia. India's 23 refineries, including Jamnagar, contribute over 21% of the world's total. The United States and Europe are major buyers of India's petroleum products—diesel, petrol, and aviation fuel. This new face of India's economy and dominance has emerged after US Secretary of State Marco Rubio expressed President Trump's desire to establish an India-US oil alliance. While India is a strategic partner of the United States, India can meet its oil needs through the United States. In this way, the United States favors giving its relations with India a new foundation, dimension, and new strength. President Trump has put on hold legislation imposing a 100% tariff on India, as the United States itself imports diesel from Russia. In the new scenario, the United States purchased approximately 128,000 barrels of crude oil per day from the United States between January and September, but in October, this import had to be reduced to approximately 91,000 barrels. American oil is delivered after several days and was becoming more expensive due to transportation costs.

India imports over $8 billion worth of oil from the United States. While India continues to import oil from Russia, it has significantly reduced its dependence on Gulf countries. The Iran war and the sea blockade may be the underlying reasons. Since Venezuela, the world's largest oil producer and exporter, is now under US control, Secretary of State Marco Rubio has proposed that India import most of its oil from the United States instead of Russia. The United States has now stopped using the language of sanctions. The United States wants to refine Venezuela's heavy oil at the Reliance refinery. The Ambani and Adani groups also play a significant role in the data sector. Therefore, today the United States is unexpectedly humble and is talking about an oil alliance with India. Once, the United States considered India an "ant in the market and industry," and even talking to them was considered an insult. However, the world and trade dynamics have changed. India now exists as a superpower in the global system. This is the beginning of a new era, a new system, and a new type of diplomatic relationship with a new "superpower." President Trump is currently at the lowest ebb and flow of his political popularity, with only about 31 percent supporting him. Nearly 68 percent of Americans oppose his economic policies, including 37 percent of Republican supporters. Therefore, he needs to act.

Kolkata Municipal Corporation: BJP now eyes historic mayoral seat!

Who will occupy the mayoral seat, once held by historical figures like Deshbandhu Chittaranjan Das and Netaji Subhash Chandra Bose? Elections for the Kolkata Municipal Corporation are expected to be held next month. With the number of wards increased from 144 to 209, women's reservations, and changing political dynamics, will the Trinamool Congress maintain its dominance, will the BJP pose a new challenge, or will the Left and Congress seek to regain lost ground? The outcome of this political battle in Kolkata will be keenly watched. Kolkata has always held significance in West Bengal politics. As the state capital, the city has also been a hub of political movements, power struggles, and ideological battles. Therefore, the Kolkata Municipal Corporation elections are not limited to the selection of councilors. The results also reflect the city's political climate and the organizational strength of the major parties. However, the issues in municipal and assembly elections are not the same. In assembly elections, the state government, the Chief Minister, and the broader political agenda play a major role, whereas in municipal elections, ward-level dynamics, local candidates, civic amenities, and the work of councilors may be more important. This is why a party performing strongly in the assembly does not automatically secure victory in the municipal corporation. This election's significance is also heightened by a major change in the number of wards. The existing 144 wards have now been replaced by 209. The addition of 65 new wards could alter the electoral map and the mathematics of candidate selection. Consequently, the contest will not only be about political popularity but also about establishing an organization and a support base in the new wards. Kolkata's political history dates back to the British era. Following the establishment of the Municipal Corporation in 1876, its structure and powers underwent numerous changes. Even before independence, this institution held a significant place in political leadership and public life.

In 1924, Deshbandhu Chittaranjan Das became Kolkata's first elected mayor. In 1930, Netaji Subhas Chandra Bose also held the post of Mayor. These names alone demonstrate that Kolkata's municipal administration was not merely a system of civic amenities, but also linked to the national movement and political leadership. After independence, the municipal corporation underwent several changes. Over time, the electoral structure evolved, and the role of the Congress, leftist parties, and later, the Trinamool Congress, increased in municipal politics.

Leftism's Influence and Congress's Challenge - In the decades following independence, the Congress dominated Kolkata's politics, but gradually, leftist parties strengthened their base in the city. Labor organizations, trade unions, and leftist political activities made Kolkata an important center of leftist politics.

Amidst the political ups and downs of the 1960s and 1970s, power in the municipal corporation fluctuated. In later years, leftist parties established a strong presence in municipal politics. After the formation of the Left Front government in West Bengal in 1977, its political hold remained for a long time.But the Left faced a challenge. Despite remaining in power for a long time, discontent in urban areas, problems with local governance, and the challenge posed by the Congress party remained persistent. This was the political ground on which Mamata Banerjee's political career later expanded. 2000: Mamata Banerjee's party gained municipal power for the first time. The year 2000 proved decisive in Kolkata Municipal Corporation politics. The Trinamool Congress challenged the Left parties by winning the municipal elections. Subrata Mukherjee became mayor. This was a significant opportunity for Mamata Banerjee to establish her power in urban politics.

But this Trinamool Congress victory was not permanent. The Left Front made a comeback in the 2005 elections, and Bikash Ranjan Bhattacharya became mayor. This clearly demonstrated that despite Trinamool's rise in Kolkata, the Left's organization and local base had not completely eroded. Then, in 2010, the political landscape changed. The Trinamool Congress won 97 out of 141 seats, gaining municipal power. Following this, Mamata Banerjee also ousted the Left Front from power in the 2011 assembly elections. 2015: Trinamool's hold strengthened - In the 2015 municipal elections, the Trinamool Congress won 114 out of 144 seats. This was a major blow to the Left, Congress, and BJP. Trinamool's hold on Kolkata's municipal administration further strengthened.

This was a period when the BJP was trying to expand its political base in West Bengal. However, despite the growing challenge in the assembly elections, it was difficult for it to stop Trinamool in the Kolkata Municipal Corporation. 2021: Trinamool's record performance with 134 seats - The 2021 municipal elections confirmed Trinamool Congress's dominance. The party won 134 out of 144 seats. The BJP won only three, Congress two, and the Left parties two. Independent candidates won three seats. This result was a strong victory for Trinamool. The BJP emerged as the main opposition party in the 2021 assembly elections, but failed to convert that political strength into seats in the municipal elections that same year. This is a significant aspect of Kolkata politics. Widespread support for a party in assembly elections and winning local elections at the ward level are two different things. In municipal elections, the candidate's personal influence, local organization, and active engagement with civic issues are crucial. This could also be decisive.

Firhad Hakim's era and changing political circumstances - During the Trinamool Congress regime, Firhad Hakim became the dominant figure in Kolkata Municipal Corporation politics after Subrata Mukherjee and Shovan Chatterjee. After Shovan Chatterjee stepped down in 2018, Firhad Hakim assumed the mayoral duties. He remained mayor even after the 2021 elections.

But the change in state power in 2026 also changed municipal politics. Chief Minister Suvendu Adhikari announced in June that the Kolkata Municipal Corporation elections would be held by December 2026. Subsequently, the dissolution of the corporation's elected board and the appointment of an administrator further increased the political significance of the elections.The Trinamool Congress now faces the challenge of proving that its support base in the municipal corporation was not solely due to its state power. On the other hand, this is an opportunity for the BJP to translate its governance into political support at the local level.

209 Wards: The contest will not be the same this time— the biggest change in this election is delimitation. The West Bengal Assembly passed an amendment bill in August 2026, paving the way for increasing the number of wards in the Kolkata Municipal Corporation from 144 to 209. In September, the state government issued a notification regarding the revised ward system. The corporation's 16 boroughs will remain unchanged. This means there will now be 65 additional wards. Political parties will have to field more candidates, and changing the boundaries of old wards in many places could impact the candidates' traditional support base.The government has cited changes in population distribution and the need to improve civic amenities as the reasons for this change. However, the opposition has also raised questions about the delimitation process and ward boundaries. Therefore, this issue may also become a part of the political debate in the elections.

Women's Reservation: A New Challenge in Candidate Selection— Reservation for women in 209 wards will also impact the election's dynamics. The draft reservation list published in September proposed reserving 70 wards for women. This represents approximately one-third of the total. However, there may be discrepancies between the draft list and the final notification, so final reservations need to be confirmed.Reservations will require political parties to re-strategize their candidates. Some longtime councilors may have to vacate their seats, while opportunities may open up for women leaders and new faces.But will fielding only new candidates benefit any party? The real question is which party brings forward strong local candidates, which activates its organization in new wards, and which builds better trust among voters. This is where the real battle begins. The BJP's biggest challenge: converting its legislative power into wards. The biggest question facing the BJP in the upcoming Kolkata Municipal Corporation elections will be whether it can translate its presence in state power into electoral success in the city's wards. In the 2021 municipal elections, the BJP won only three seats. However, the circumstances of the contest this time are different. Following the change of power in the state, the BJP has an opportunity to strengthen its organization and establish political influence at the local level.

However, being in power in the state is not a guarantee of winning municipal elections. In Kolkata, the Trinamool Congress's long-standing organization, network of local leaders, and influence at the ward level could pose a significant challenge for the BJP.The BJP must also prove that its candidates can effectively address local issues, rather than simply seeking votes in the party's

2027 में सिर्फ चुनाव नहीं लड़ेंगे, सरकार बनाएंगे: मुरादाबाद में बोलीं मोना मिश्रा; CEC पर महाभियोग की मांग

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मोना मिश्रा ने मुरादाबाद में दावा किया कि पार्टी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में सरकार बनाएगी और 2024 से बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की मांग की। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अभी से अपनी सियासी जमीन मजबूत करने के दावे शुरू कर दिए हैं।

पार्टी की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा उर्फ मोना मिश्रा ने मुरादाबाद में रास्ते में रीजेंसी के बाहर रुककर मीडिया से बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन 2024 से भी बेहतर होगा। पार्टी प्रदेश में सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी।

मोना मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे तत्काल रोकने की मांग की।साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग भी उठाई। उन्होंने आरोप लगाया कि देश का एक-एक वोट खतरे में है और चुनाव आयोग के प्रति जनता का विश्वास कमजोर हुआ है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे के साथ महारैली आयोजित की जाएगी। पार्टी इसकी तैयारियों में जुटी है।

उन्होंने आम नागरिकों और सिविल सोसाइटी से भी रैली में शामिल होने की अपील की। उनके मुताबिक, मताधिकार की रक्षा और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करना कांग्रेस की लड़ाई का प्रमुख हिस्सा है।

भाजपा को घेरा, खरगे के बयान पर किया पलटवार- मल्लिकार्जुन खरगे के बयानों को लेकर भाजपा की आलोचना पर मोना मिश्रा ने पलटवार किया। उन्होंने खरगे को वरिष्ठ नेता बताते हुए सोनिया गांधी, राहुल गांधी और महिला सांसदों को लेकर भाजपा नेताओं की कथित अभद्र टिप्पणियों को शर्मनाक बताया।सुल्तानपुर की अदालत से राहुल गांधी को पुराने मामले में बरी किए जाने पर उन्होंने इसे न्याय की जीत करार दिया। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के सीट बंटवारे पर कहा कि गठबंधन मजबूत है और सीटों को लेकर अंतिम फैसला दोनों दलों का शीर्ष नेतृत्व आपसी सहमति से करेगा।

प्रदेश में भी घटा मुरादाबाद का कद, मंडल में 19 सदस्य; जिले से सिर्फ एक; सबसे ज्यादा यहां से; कौन कहां से

मुरादाबाद भाजपा प्रदेश कार्यसमिति- क्षेत्र के बाद प्रदेश कार्यसमिति में भी मुरादाबाद का कद घट गया है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में मंडल के 19 सदस्य, मुरादाबाद से सिर्फ एक शामिल है।

पिछली कार्यसमिति में मंडल के 14 सदस्यों में जिले से तीन सदस्य बनाए गए थे। इस बार सबसे अधिक छह सदस्य रामपुर से हैं। अमरोहा, संभल, बिजनौर से चार-चार सदस्य हैं।भाजपा की क्षेत्रीय कार्यकारिणी से बाहर होने के बाद प्रदेश कार्यसमिति में भी मुरादाबाद का कद घट गया है। प्रदेश कार्यसमिति में मंडल के शामिल 19 सदस्यों में मुरादाबाद की संख्या सिर्फ एक है। जबकि पिछली कार्यसमिति में मंडल के 14 सदस्य में तीन मुरादाबाद के शामिल थे।

इस बार सबसे अधिक रामपुर के छह सदस्य शामिल हैं। वहीं अमरोहा, संभल, बिजनौर से चार-चार सदस्य शामिल किए गए हैं। पंकज चौधरी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद से पार्टी में परिवर्तन का दौर चल रहा है।

तीन सितंबर को भाजपा की क्षेत्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की गई थी। इसमें मुरादाबाद और संभल को जगह नहीं मिली। जबकि पिछली कार्यकारिणी में दोनों जिले शामिल थे।कहने के लिए कार्यकारिणी में सदस्य के तौर पर मुरादाबाद जिले से गीता शर्मा को शामिल किया गया। बदलाव का क्रम अभी भी जारी है। भाजपा ने सोमवार को प्रदेश कार्यसमिति के सदस्यों के नामों की घोषणा कर दी।

इसमें मुरादाबाद मंडल के 19 सदस्य शामिल हैं। कार्यसमिति में मुरादाबाद जिले की एक बार फिर उपेक्षा सामने आई है। मंडल की सियासत के मुख्यालय मुरादाबाद से सिर्फ राजपाल सिंह चौहान को जगह मिली है।

वह पूर्व जिलाध्यक्ष हैं। जबकि पिछले कार्यकारिणी में मंडल के 14 सदस्य शामिल थे। इसमें मुरादाबाद से पूर्व सांसद सर्वेश सिंह, पूर्व महानगर अध्यक्ष महेंद्र गुप्ता और सुरेश सैनी को शामिल किया गया था। लेकिन रामपुर जिले से सबसे अधिक छह सदस्य बनाए गए हैं। यही नहीं मंडल के बाकी जिले अमरोहा, संभल और बिजनौर को भी बराबरी की हिस्सेदारी मिली है। इन तीनों जिलों से चार-चार सदस्य शामिल किए गए हैं। मुरादाबाद की लगातार हो रही उपेक्षा को लेकर पार्टी के भीतर अब सियासी चर्चाएं होने लगी है। प्रदेश कार्यसमिति के लिए सदस्यों के नाम प्रदेश स्तर से तय होते हैं। मुरादाबाद से राजपाल चौहान को शामिल किया गया है। पिछली कार्यकारिणी में तीन सदस्य थे। इस बार कम हैं। एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त और एमएलसी गोपाल अंजान को विशेष आमंत्रित सदस्य बने हैं। - आकाश पाल, जिलाध्यक्ष भाजपा- कौन कहां से बना कार्यसमिति सदस्य- रामपुर से विधायक आकाश सक्सेना, मोहनलाल सैनी, भारत भूषण गुप्ता, सुरेश गंगवार, जुगेश अरोरा कुक्कू, बीना भारद्वाज। संभल से परमेश्वर लाल सैनी, सुरेश सैनी, मंजू दिलेर, ओमवीर खड्गवंशी।अमरोहा से सांसद कंवर सिंह तंवर, ओम प्रकाश गोला प्रजापति, डॉ. सुरेंद्र चंद्र नागर, अभिषेक कौशिक। बिजनौर से यशवंत सिंह, भारतेंद्र सिंह, कविता चौधरी, अरविंद गहलोत।- ये बने विशेष आमंत्रित सदस्य- मुरादाबाद से एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, एमएलसी गोपाल अंजान, संभल से राज्यमंत्री गुलाब देवी, बलदेव सिंह औलख।ये बने स्थायी आमंत्रित सदस्य- कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी

करवा चौथ श्रृंगार: इस बार ट्रेंड में हैं लाइटवेट पायल और फ्लोरल बिछिया, महिलाओं में भारी डिमांड

करवाचौथ के लिए मुरादाबाद के बाजारों में हल्की और महीन कारीगरी वाली पायल व बिछिया की मांग बढ़ गई है। महिलाएं पारंपरिक के साथ आकर्षक डिजाइन और रोजमर्रा के लिए आरामदायक विकल्प पसंद कर रही हैं। हल्की और महीन कारीगरी वाली पायल-बिछिया की बढ़ी मांग। महिलाएं आरामदायक, आकर्षक डिजाइन रोजमर्रा के लिए पसंद कर रही हैं। मुरादाबाद के बाजारों में पारंपरिक व आधुनिक आभूषणों की खरीदारी। करवाचौथ पर सुहाग के श्रृंगार में पायल और बिछिया की चमक बढ़ गई है। बाजार में महिलाएं पारंपरिक चांदी की पायल के साथ महीन

कारीगरी और हल्के वजन वाले डिजाइन पसंद कर रही हैं। घुंघरु वाली पायल से लेकर फूल-पत्ती और जालीदार बिछिया तक के विकल्प महिलाओं को आकर्षित कर रहे हैं। गंज बाजार, गुरहट्टी और कांठ रोड के सराफा बाजार में त्योहार की खरीदारी के लिए महिलाएं पहुंच रही हैं। पायल में हल्के वजन और आकर्षक डिजाइन की मांग है। वहीं, बिछिया में नग जड़ी, फूल-पत्ती और बारीक नक्काशी वाले पैटर्न पसंद किए जा रहे हैं। रोजमर्रा में पहनने के लिहाज से आरामदायक डिजाइन भी महिलाओं की पसंद बने हुए हैं।

खरीदारी में बजट का ध्यान रखने के साथ पायल और बिछिया की डिजाइन को दूसरे आभूषणों से मैच करने पर भी जोर है। पारंपरिक श्रृंगार के साथ फैशन का मेल बाजार में नए विकल्प बढ़ा रहा है। मैचिंग डिजाइन पर भी जोर- करवाचौथ पर श्रृंगार में पायल और बिछिया का विशेष महत्व है। महिलाएं अब पारंपरिक डिजाइन के साथ हल्के और आकर्षक विकल्प भी पसंद कर रही हैं। रंगों और नक्काशी को ड्रेस के साथ मैच करने के लिए प्रयोग कर रहे हैं। सर्राफ सारिका अग्रवाल ने बताया कि हमारे पास महिलाएं हल्के वजन और महीन नक्काशी के बिछिया और पायल लेने पहुंच रही हैं। लोदीपुर राजपूत निवासी विंसी चौधरी ने बताया कि बिछिया में मैचिंग पैटर्न मिलने से श्रृंगार को एक जैसा लुक देना आसान हो जाता है। हमने इस बार पायल का आर्डर ही हल्के वजन के हिसाब से दिया था। परंपरा निवासी नम्रता ने बताया कि करवाचौथ के लिए नई पायल और बिछिया का ऑर्डर दिया है। इस बार फिश और फ्लोरल डिजाइन में भी बिछियां आई हैं।

यूपी के किसान पवन ने धान की खेती छोड़ कमल उगाकर खोला कमाई का नया रास्ता, 3 लाख तक हो रहा मुनाफा

मुरादाबाद के किसान पवन कुमार ने धान की पारंपरिक खेती छोड़कर कमल उगाकर कमाई का नया रास्ता खोजा है। धान की खेती में बढ़ती लागत और मुनाफे की अनिश्चितता के बीच पाकबड़ा क्षेत्र के गांव मोढ़ा तैय्या के प्रगतिशील किसान पवन कुमार ने कमल की खेती में कमाई की नई राह तलाश ली है। कभी धान की फसल के लिए पहचाने जाने वाले खेतों में अब कमल खिल रहे हैं। फूलों की खूबसूरती के साथ इनकी जड़, तना और बीज भी किसानों की आमदनी बढ़ा रहे हैं। पवन का प्रयोग अब गांव के दूसरे किसानों को भी परंपरागत खेती से आगे बढ़कर सोचने की प्रेरणा दे रहा है। पवन कुमार बताते हैं कि धान की खेती के मुकाबले कमल से उन्हें बेहतर मुनाफा मिल रहा है। इसकी खासियत है कि फसल का लगभग हर हिस्सा उपयोगी है। कमल के फूल पूजा-पाठ और सजावट के लिए बिकते हैं, जबकि जड़ और तने की सब्जी की भी मांग है। बीज भी बाजार में बेचे जाते हैं। इस तरह किसान एक ही फसल से कमाई के कई रास्ते बना रहे हैं। गांव में कमल की खेती की शुरुआत छोटे तालाब से हुई थी। धीरे-धीरे इसके फायदे सामने आए तो दूसरे किसानों ने भी इसमें रुचि दिखाई। अब गांव के करीब 30 प्रतिशत किसान इस खेती से जुड़ चुके हैं। यहां का उत्पादन मुरादाबाद के साथ दिल्ली के बाजारों तक पहुंच रहा है। पवन कुमार का कहना है कि धान की खेती में प्रति एकड़ करीब 19 से 24 हजार रुपये खर्च होते हैं। इसके मुकाबले कमल की खेती में शुरुआती लागत लगभग 25 हजार रुपये बताई गई है। किसानों का दावा है कि बाजार और उत्पादन अनुकूल रहने पर प्रति एकड़ ढाई से तीन लाख रुपये तक शुद्ध मुनाफा मिलता है हालांकि, वास्तविक कमाई उपज, बिक्री और मजदूरी पर निर्भर करती है।पवन की पहल बताती है कि खेती में नवाचार, बाजार की समझ और सही प्रशिक्षण के सहारे किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के नए रास्ते तलाश सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

रामपुर में हादसा: अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत, एक की तीन माह पहले हुई थी शादी

शाहबाद-आंवला रोड पर भगवंतपुर गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार बिलाल और तालिब की मौत हो गई। दोनों बरेली के थिरौली कस्बे के निवासी थे। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

शाहबाद-आंवला रोड स्थित भगवंतपुर गांव के पास सोमवार की देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान बिलाल (23) और तालिब (27) के रूप में हुई है। दोनों बरेली के कस्बा थिरौली स्थित मोहल्ला कुरैसियान के रहने वाले थे।पुलिस के अनुसार, दोनों दोस्त किसी काम से शाहबाद आए थे और घर लौटते समय शाहबाद-आंवला रोड स्थित भगवंतपुर गांव के पास हादसे का शिकार हो गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों बाइक सवार कई मीटर तक सड़क पर घिसटते हुए चले गए।घटना के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों बाइक सवारों को को अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद देर रात तक पुलिस जांच पड़ताल में जुटी रही।तीन माह पहले हुई थी बिलाल की शादी-हादसे में जान गंवाने वाले बिलाल की शादी तीन माह पूर्व ही हुई थी। वहीं उसके दोस्त तालिब की शादी एक साल पहले हुई थी। बताया जा रहा है कि दोनों दोस्त सोमवार की रात घर से बाहर ही खाने की बात कहकर निकले थे। इसके बाद परिजनों को देर रात अनहोनी की सूचना मिली। रोते बिलखते परिजन अस्पताल पहुंचे।

यूपी में चक्रवात अर्नब का असर, पूर्वांचल में भारी बारिश का अलर्ट, पश्चिमी यूपी में भी गिरेगा पारा

बरेली-पीलीभीत समेत कई जिलों में बदल सकता है मौसम, तेज हवाओं और बूंदाबांदी से दिन में भी बढ़ेगी ठंडक

बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवात अर्नब के असर से यूपी के कई जिलों में मौसम बदलने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट है, जबकि बरेली, पीलीभीत और मुरादाबाद समेत पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों में बादल, तेज हवा और बूंदाबांदी से तापमान गिर सकता है। सुबह और देर रात गुलाबी ठंड, जबकि दिन में तेज धूप और गर्मी। मौसम का यह मिजाज अगले कुछ दिनों में बदल सकता है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान अर्नब के प्रभाव से उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी से अत्यधिक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, पश्चिमी यूपी में भी बादलों की आवाजाही, तेज हवा और हल्की बारिश से तापमान में गिरावट आने के आसार हैं।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बुधवार शाम से पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में चक्रवात का असर दिखाई देना शुरू हो सकता है। बुधवार से शुक्रवार तक कई इलाकों में मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है। गुरुवार को पूर्वी यूपी के कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक भारी बारिश की आशंका जताई गई है। ऐसे में लोगों को मौसम विभाग की चेतावनियों पर नजर रखने की जरूरत है।श्चिमी यूपी में भी बदलेगा मौसम- चक्रवात का असर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में भी दिखाई दे सकता है। मुरादाबाद समेत पश्चिमी यूपी के इलाकों में गुरुवार और शुक्रवार को आसमान में बादल छाए रहने, तेज हवाएं चलने और कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। बरेली, पीलीभीत और शाहजहांपुर के मौसम में भी बदलाव देखने को मिल सकता है। फिलहाल सुबह और देर रात हल्की ठंड महसूस हो रही है, लेकिन दिन में तेज धूप के कारण गर्मी बनी हुई है। तापमान में गिरावट आने से दिन के समय भी ठंडक महसूस हो सकती है। हालांकि, जिलेवार तापमान में कितनी गिरावट होगी, यह स्थानीय परिस्थितियों और बारिश की तीव्रता पर निर्भर करेगा। दो से तीन दिन तक गर्मी से मिल सकती है राहत- बारिश और बादलों के कारण दिन के तापमान में गिरावट आने की संभावना है। इससे गुलाबी सर्दी का असर बढ़ सकता है। खासकर सुबह और शाम के समय मौसम अधिक ठंडा महसूस हो सकता है। हालांकि, बारिश का प्रभाव सभी जिलों में एक जैसा रहने की संभावना नहीं है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

संचारी रोगों पर प्रहार : सीएमओ ने संभाला मोर्चा, मझगवां में जमीनी हकीकत का लिया जायजा

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो)। विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) ने मझगवां क्षेत्र के संवेदनशील गांव मानपुर, रघुबीरपुर और सीएचसी का औचक निरीक्षण किया।

जनपद में अब तक मलेरिया के 436 और डेंगू के 22 मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। सफाई और फॉगिंग के सख्त निर्देश~ दोनों गांवों में नालियों की सफाई का जायजा लेते हुए ग्राम प्रधान व सचिव को साप्ताहिक एंटीलार्वा छिड़काव और नियमित फॉगिंग कराने के कड़े निर्देश दिए गए। CMO ने ग्रामीणों से संवाद कर पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने, मच्छरदानी का उपयोग करने, जलभराव न होने देने और बुखार होने पर तुरंत जांच कराकर पूरा इलाज लेने की अपील की। मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर अधिकारियों ने दवाओं की उपलब्धता और मरीजों की जांच व्यवस्था का सत्यापन किया। निरीक्षण के दौरान जिला मलेरिया अधिकारी, सीएचसी अधीक्षक, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी सहित ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य कर्मी, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बरेली कॉलेज में प्रो. आनंद लखटकिया की 21वीं एकल प्रदर्शनी आज से शुरू

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो)। बरेली कॉलेज के ललित कला विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद लखटकिया की 21वीं एकल चित्र प्रदर्शनी दृश्य के आर-पार का आयोजन 28 व 29 अक्टूबर को किया गया है।

प्रदर्शनी में ऐक्रेलिक, तैल और मिश्रित माध्यमों से विशाल कैनवास पर सजे 25 चुनिंदा चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। इनमें समुद्र के विस्तार को समेटती सी-स्केप्स श्रृंखला, यथार्थपरक दृश्य, तांत्रिक प्रतीकात्मकता और अमूर्त प्राकृतिक रूपाकार मुख्य आकर्षण हैं। इन कृतियों के जरिए कलाकार ने प्रकृति संरक्षण और मानवीय संवेदनशीलता का गहरा संदेश दिया है।

कार्यक्रम का परिचय प्रो. सूरज साहू ने दिया, जबकि वाराणसी से आईं विशिष्ट अतिथि प्रो. मंजुला चतुर्वेदी ने चित्रों के अमूर्तन की सराहना की। AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के दौर में कला के भविष्य पर पूछे गए सवाल पर प्रो. आनंद ने दो टूक कहा-कला को कोई खतरा नहीं है। कला मानवीय संवेदना और अनुभवों से उपजती है, कोई मशीन कभी कलाकार का स्थान नहीं ले सकती। कला प्रेमियों और विद्यार्थियों के लिए यह प्रदर्शनी सुबह 11:00 से शाम 4:00 बजे तक खुली रहेगी।

शिक्षक एमएलसी चुनाव: बरेली में आठ टेबलों पर 35149 वोटों की गिनती

17 प्रत्याशियों की किस्मत का होगा फैसला

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक एमएलसी चुनाव की मतगणना प्रक्रिया मंगलवार सुबह आठ बजे से शुरू हुई। बरेली के संजय कम्युनिटी हॉल में बनाए गए मतगणना केंद्र पर दोनों मंडलों के नौ जिलों के मतों की गिनती होनी है। मतगणना स्थल पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे, चुनाव में उतरे 17 प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य का फैसला मतगणना होने के बाद होगा।

भाजपा के पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप बेटी कीर्ति संग सपा में पहुंचे, अखिलेश यादव ने किया स्वागत

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) बरेली, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की आवंला (बरेली) लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो बार सांसद रहे धर्मेंद्र कुमार कश्यप मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल हो गए। लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी में उन्होंने सपा की सदस्यता ग्रहण की।

उनके इस कदम को रुहेलखंड की राजनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। बरेली की आंवला लोकसभा सीट से भाजपा के दो बार सांसद रहे धर्मेंद्र कुमार कश्यप ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया।

धर्मेंद्र कश्यप उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री भी रह चुके हैं। कश्यप अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आते हैं। सूत्रों के मुताबिक, कश्यप को राज्यसभा का टिकट मिलने की उम्मीद थी,

लेकिन उनका नाम सूची में शामिल नहीं किया गया। जबकि भाजपा ने बरेली जिले से ही पशुधन व दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री व झारखंड के पूर्व राज्यपाल संतोष गंगवार की बेटी श्रुति गंगवार को उम्मीदवार बनाया, जो राज्यसभा में निर्विरोध निर्वाचित हो गये हैं। सपा में शामिल होने के बाद धर्मेंद्र कश्यप ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव की मौजूदगी में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कश्यप ने कहा कि राज्य में खराब कानून-व्यवस्था के कारण लोग भाजपा सरकार से तंग आ चुके हैं।

दीपावली पर्व से पहले मिलावट खोरों पर फूड विभाग ने 127 किलो दूषित मिठाई कराई नष्ट

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) ।दीपावली पर्व पर जनता को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) ने मिलावटखोरों के खिलाफ शिकंजा कस दिया है। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में जिलेभर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। नवाबगंज में बड़ी कार्रवाई~ ईंध जागीर रोड (बालाजीपुरम) स्थित 'मैसर्स गणपति स्वीट्स' (संचालक भारतवीर) पर छापा मारकर बर्फी और मिल्क केक के नमूने भरे गए। मौके पर मिली करीब 19,050 कीमत की 127 किलो सड़ी-गली/संदूषित मिठाई को तत्काल प्रभाव से नष्ट कराया गया। टीम ने फीनिक्स मॉल स्थित 'रिलायंस रिटेल लिमिटेड' से बेसन, चना दाल, कचरी व मूंगफली दाना तथा दोहरा रोड स्थित 'डी-मार्ट' से बेसन, अरहर दाल और साबूदाना के सैंपल लिए।मंगलवार को फतेहगंज पूर्वी स्थित मुरारी कोल्ड स्टोरेज और अनंता कोल्ड स्टोरेज पर संदिग्ध खोया व मिठाइयों के भंडारण की सूचना पर आकस्मिक चेकिंग की गई। विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के मद्देनजर जांच अभियान लगातार जारी रहेगा और मिलावट करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

AKC हुंडई ने लॉन्च की AI फीचर्स से लैस 'Hyundai BAYON'

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) एकेसी ऑटो प्रा0 लि0 द्वारा नई Hyundai BAYON का भव्य अनावरण मुख्य अतिथि पूरन सिंह लोधी क्षेत्रीय अध्यक्ष, ब्रज क्षेत्र भाजपा के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस मौके पर चेयरमैन अशोक अग्रवाल एवं डायरेक्टर अश्मित अग्रवाल व शिवम अग्रवाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत व अभिनंदन किया।लॉन्चिंग समारोह के दौरान चेयरमैन अशोक अग्रवाल ने कार के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यह गाड़ी 'Intelligence That Moves' के दर्शन पर आधारित है, जो भविष्य के लिए तैयार अत्याधुनिक तकनीक, जेनेरेटिव एआई और बेहतरीन सुरक्षा के साथ एक प्रगतिशील एसयूवी डिज़ाइन को दर्शाती है। इस नई स्ङ्क को मजबूत सुरक्षा और आधुनिक तकनीक के साथ हर सफर को आसान बनाने के लिए इंजीनियर किया गया है। इसमें परप्लेक्सिटी और साउंडहाउंड एआई द्वारा संचालित पहला जेनेरेटिव एआई वॉयस असिस्टेंट शामिल है। जीएम विनय सक्सेना ने बताया कि एनविडिया-तकनीक के साथ 62.5 सेमी का घुमावदार पैनोरमिक डिस्प्ले और 23 एडवांस्ड फीचर्स से लैस हुंडई स्मार्टसेंस लेवल 2 प्रो एडास% जैसी अत्याधुनिक प्रणालियां दी गई हैं। लॉन्चिंग के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष सोमपाल शर्मा आंवला जिला अध्यक्ष व शोरूम सेल्स मैनेजर पंकज शंखधार स्टाफ मौजूद रहा।

बाइकों की भिड़ंत में स्कूल जा रहे दो सगे भाइयों की मौत

बरेली।(ब्यूरो) सिरौली थाना क्षेत्र के अलीगंज रोड पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में स्कूल जा रहे दो सगे भाइयों की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही

परिवार में कोहराम मच गया। एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जानकारी के अनुसार, दोनों भाई स्कूल जा रहे थे। इसी दौरान सिरौली थाना क्षेत्र के अलीगंज रोड पर उनकी बाइक की दूसरी बाइक से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी गंभीर रही कि दोनों भाइयों की जान चली गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के लोग गमगीन हो गए। जिन बच्चों के स्कूल से लौटने का इंतजार रहता था, उनकी मौत की खबर से घर में चीख-पुकार मच गई। हादसे ने परिवार को गहरा सदमा दिया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौहल्ला अब्दुल्ला वार्ड संख्या-22, तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या-434/825, जो गृहकर अभिलेखों में श्री सुरेन्द्र सक्सेना पुत्र श्री रामौतार सक्सेना निवासी मौहल्ला अब्दुल्ला, कस्बा व तहसील बिलारी के नाम दर्ज है।पर श्रीमती मोनिका सक्सेना पत्नी श्री स्व0 सुरेन्द्र सक्सेना निवासी मौहल्ला अब्दुल्ला, कस्बा व तहसील बिलारी, जनपद मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिनांक-03/09/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र व वारीसान प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गई है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	434 / 825	अब्दुल्ला	श्री सुरेन्द्र सक्सेना पुत्र श्री रामौतार सक्सेना	श्रीमती मोनिका सक्सेना पत्नी श्री स्व0 सुरेन्द्र सक्सेना

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयसीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। दर्ज करने उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व-निरीक्षक
नगर पालिका परिषद बिलारी (मुरादाबाद)

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अब पेंशनरों को कोषागार की लंबी लाइनों से छुटकारा, घर बैठे जमा करें जीवन प्रमाण पत्र

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो)। कोषागार से पेंशन ले रहे पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों के लिए आगामी नवंबर और दिसंबर माह में ट्रेजरी में होने वाली भारी भीड़ व असुविधा से बचाने के लिए प्रशासन ने जीवन प्रमाण पत्र ऑनलाइन जमा करने की सलाह दी है। पेंशनर वेबसाइट www.jeevanpraman.gov.in या अपने एंड्रॉइड मोबाइल में 'Jeevan Pramaan' और 'Aadhaar Face RD' ऐप डाउनलोड कर घर बैठे ही फेस ऑथेंटिकेशन के जरिए प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। दो पेंशन पाने वाले लाभार्थी 'Add New PPO' विकल्प का उपयोग कर सकते हैं। जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है, वे नजदीकी बैंक शाखा, जन सेवा केंद्र (CSC) या डाकिए की मदद से घर बैठे बायोमेट्रिक सत्यापन करा सकते हैं। व्यक्तिगत रूप से कोषागार कार्यालय आने वाले पेंशनरों को दोपहर 3:00 बजे तक बैंक पासबुक, आधार कार्ड, पैन कार्ड और नवीनतम रंगीन फोटो के साथ उपस्थित होना होगा। बैंक बदलने की स्थिति में पेंशन जारी होते समय दर्ज कराया गया मूल ढ्ढस्नस्ष्ट कोड ही मान्य होगा।

किसानों को धान के कम दाम में 1400 रुपये कुंतल भाव लगाने का आरोप, विरोध पर किसानों से झगड़े पर आमादा हुए आढ़ती

@ क्यूँ न लिखूँ सच

भुता।(शेर सिंह) रसूल चौराहा स्थित धान खरीद केंद्र पर किसानों की उपज को औने-पौने दाम पर खरीदने का गंभीर आरोप सामने आया है। ग्राम चुर्रा सकतपुर निवासी राजबहादुर सिंह पुत्र जोगराज सिंह ने जिलाधिकारी बरेली से शिकायत कर आढ़तियों पर किसानों के धान का उचित मूल्य नहीं देने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, रसूला चौराहा पर आढ़ती कमरुद्दीन और भगवान दास ने उनके धान का भाव महज 1400 रुपये प्रति कुंतल लगाया। किसान ने जब इतने कम भाव पर धान बेचने से इनकार करते हुए विरोध किया तो आरोप है कि दोनों आढ़ती झगड़े पर आमादा हो गए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आढ़तियों ने कथित तौर पर कहा कि 卐जो करना हो कर लो, जहां जाना है चले जाओ। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर उनकी उपज कम कीमत में खरीदी जा रही है और बाद में उसी धान को सरकारी खरीद केंद्रों पर अधिक कीमत में बेचकर मुनाफा कमाया जा रहा है। उक्त किसान- शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, संबंधित आढ़तियों की भूमिका की जांच करने तथा आरोप सही पाए जाने पर उनके लाइसेंस निरस्त करने समेत कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कार्रवाई नहीं हुई तो मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में उठाएंगे मुद्दा शिकायतकर्ता ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्र के किसान एकजुट होकर 3 नवंबर 2026 को ग्राम ईरानपुर, तहसील बीसलपुर में प्रस्तावित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पहुंचेंगे और बिचौलियों द्वारा किसानों से कथित कम कीमत पर धान खरीदने का मुद्दा उठाएंगे। किसानों की शिकायत पर प्रशासन कितनी गंभीरता दिखाता है और क्या किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य दिलाने के लिए आढ़तियों की कथित मनमानी पर कोई प्रभावी कार्रवाई होती है। फरीदपुर उप जिलाअधिकारी से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उनका फोन नहीं उठा

शाही में गैस धमाके से घायल महिला की मौत

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली~ शाही कस्बे में शुक्रवार सुबह रसोई में गैस रिसाव से हुए धमाके में झुलसी 35 वर्षीय राधा की सोमवार को दिल्ली के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। शुक्रवार को हादसा उस समय हुआ था, जब वह गैस चूल्हे पर दूध गर्म कर रही थीं। गंभीर हालत में उन्हें बरेली से दिल्ली रेफर किया गया था। मंगलवार सुबह उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

लखनऊ ट्रिपल मर्डर: सामने आई मृतक की बेटी, बोली- योगी जी की बेटी अनाथ हुई है, इस घर पर चले बुलडोजर

सआदतगंज के नौबस्ता स्थित ब्राह्मणी टोला में सोमवार को हुई घटना ने तूल पकड़ा। इस मामले अब मृतक की बेटी खुलकर सामने आ गई। सोमवार को हुई घटना के बाद मृतक की बेटी सामने आई। कैमरे पर उसने कहा कि आज योगी जी की बेटी अनाथ हुई। जिस घर में आरोपी रह रहे हैं वह अवैध है। इस पर बुलडोजर चलना चाहिए। मेरी सरकार से कई मांगे हैं। हमारे परिवार को एक करोड़ को मिलना चाहिए। दूसरी, मेरी माँ, जो मृतक श्रीकांत तिवारी की बीवी हैं। उनको सरकारी नौकरी मिलनी चाहिए।

मेरी सारी एजुकेशन की चीजें सरकार को संभालनी है। हमारे घर पर आजीवन सिक्योरिटी रहनी चाहिए, क्योंकि अब मुझ पर, मेरी मम्मी पर और मेरी बड़ी मम्मी पर जान का खतरा है। अभी भी लोग मुझसे और मेरी बड़ी मम्मी और मेरी मम्मी से कह रहे हैं कि अभी घर में तीन औरतें हैं। इनको दबा लेंगे। उसने कहा कि मुझको सादतगंज, थाना कश्मीरी मोहल्ला में सबका सस्पेंशन चाहिए।

छह घंटे तक शव रखकर प्रदर्शन, आरोपी के घर में घुसी भीड़- सआदतगंज के नौबस्ता स्थित ब्राह्मणी टोला में सोमवार को पार्किंग के विवाद में एक ही परिवार के तीन लोगों की गोली मारकर हत्या के मामले ने मंगलवार को तूल पकड़ लिया। पोस्टमार्टम के बाद शिवाजी तिवारी, उनके भाई शंभू तिवारी और बेटे सुयश तिवारी के शव घर पहुंचे तो कोहराम मच गया।

थोड़ी देर तक अंतिम दर्शन कराने के बाद नाराज लोगों ने शव उसी चबूतरे के पास ले जाकर रख दिए जिसे लेकर झगड़ा हुआ था। परिजनों ने अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। इसके बाद नारेबाजी शुरू हो गई। हंगामा बढ़ता देख 10 थानों की पुलिस फोर्स को बुलाया गया।

उधर, देखते ही देखते शिवाजी के रिश्तेदारों और करीबियों की भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित लोगों ने हत्यारोपी ऋषभ शुक्ला के मकान पर बुलडोजर चलाने की मांग शुरू कर दी। काफी देर तक कोई कार्रवाई न होने पर भीड़ ऋषभ के घर में घुसने लगी। घर के बाहर खड़े दोपहिया वाहन में तोड़फोड़ शुरू कर दी। मकान में तोड़फोड़ की भी कोशिश की। पुलिस फोर्स ने कड़ी मशक्कत के बाद लोगों को मकान में घुसने से रोका। आरोपी के घर के बाहर सुरक्षाकर्मी तैनात कर देने से आक्रोश बढ़ गया। लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस आरोपी का पक्ष ले रही है। इसके बाद ऋषभ के एनकाउंटर की मांग होने लगी।डीएम, पुलिस कमिश्नर को बुलाओ फिर होगी बात- आक्रोशित लोगों का कहना था

कि डीएम, पुलिस कमिश्नर को बुलाओ फिर बात होगी। शहर में दिनदहाड़े तीन लोगों की हत्या हो जाती है और अधिकारी पीड़ित परिवार से मिलने भी नहीं आते हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए दोपहर करीब एक बजे डीएम विशाख जी. और पुलिस आयुक्त तरुन गाबा मौके पर पहुंचे। दोनों सीधे शिवाजी के घर में चले गए। काफी देर तक अधिकारियों और पीड़ित परिवार में बातचीत होती रही पर कोई नतीजा नहीं निकला।आरएसएस के पदाधिकारियों ने भी जताई नाराजगी

शिवाजी तिवारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में आरएसएस के पदाधिकारी भी पहुंचे थे। पीड़ित परिवार की हालत देखकर संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी नाराज हो गए और डीजीपी व प्रमुख सचिव गृह को बुलाने की बात कही। उनकी फोन पर उच्चाधिकारियों से बहस भी हुई। संघ ने पीड़ित परिवार की मांगें मानने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों को लोगों के गुस्से का भी सामना करना पड़ा।

ब्रजेश पाठक, नीरज सिंह ने शवों को दिया कंधाहंगामे के बीच दोपहर 2~45 बजे महापौर सुषमा खर्कवाल मौके पर पहुंचीं। उनके आते ही लोगों ने फिर से नारेबाजी शुरू कर दी। करीब 3~15 बजे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और भाजपा नेता नीरज सिंह परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान भी लोगों ने सरकार विरोधी नारे लगाए। डिप्टी सीएम ने आरोपियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई होगी। डिप्टी सीएम के आश्वासन पर परिजन अंतिम संस्कार के लिए माने। ब्रजेश पाठक और नीरज सिंह ने शवों को कंधा दिया और गुलाला घाट पर अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए।छपने गए थे शादी के कार्ड, अब तेरहवीं की तैयारी- जिस परिवार में वर्षों बाद मांगलिक कार्यक्रम होना था आज वहां मातम पसरा हुआ है। सुयष की शादी के कार्ड छपने गए थे। मेहमानों की सूची तैयार की जा रही थी लेकिन किसी को पता नहीं था कि शादी से पहले तीन-तीन लोगों की तेरहवीं की तैयारी करनी पड़ेगी। ब्राह्मणी टोला में हर तरफ इसी की चर्चा थी। एक साथ तीन अर्थियां उठीं तो शिवाजी तिवारी की पत्नी ऊषा की चीख निकल पड़ी। कभी वह बेटे के शव से चिपक कर जिगर के टुकड़े को निहार रही थीं तो कभी सुहाग को अंतिम विदाई दे रही थीं। ऊषा की हालत देख वहां मौजूद सैंकड़ों लोगों की आंखें नम हो गईं।

सुयष रविवार को परिवार के साथ ननिहाल में दिवाई की रस्म कराने गए थे। शादी का ज्यादातर सामान खरीदा जा चुका था। माता-पिता एकलौते बेटे की शादी धूमधाम से करने वाले थे।

बेटे के लिए कमरे का रिनोवेशन एवं घर की मरम्मत के साथ पुताई का काम भी चल रहा था। सुयश कुछ दिन बाद शादी के लिए अपने कपड़े खरीदने वाले थे। इसके लिए उन्होंने दोस्तों से बात भी की थी। मंगलवार को सुयश के दोस्त भी वहां मौजूद थे लेकिन सबकी आंखों में आंसू थे। कॉलोनी की महिलाएं ऊषा, रुचि और सुमेधा को सांत्वना दे रही थीं। नौबस्ता स्थित ब्राह्मणी टोला में सोमवार रात भर मोहल्ले के लोग जागते रहे। हर घर में इसी घटना को लेकर चर्चा होती रही।

लखीमपुर खीरी: पूर्व विधायक समेत नौ लोगों पर दर्ज रिपोर्ट का विरोध, एसपी से मिला सपा प्रतिनिधिमंडल

लखीमपुर खीरी में स्नातक एमएलसी चुनाव के दौरान हुए हंगामे के मामले में पूर्व विधायक सुनील कुमार लाला समेत नौ लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ है। इसके विरोध में सपा पदाधिकारी मंगलवार को पुलिस अधीक्षक से मिले। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर विरोध जताया।लखीमपुर खीरी जिले में स्नातक एमएलसी चुनाव के बाद पूर्व विधायक सुनील कुमार लाला समेत करीब नौ लोगों पर मुकदमा दर्ज होने के विरोध में सपा पदाधिकारी मंगलवार को पुलिस अधीक्षक से मिले। सपा सांसद आनंद भदौरिया और जिलाध्यक्ष रामपाल यादव के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने एसपी से मुलाकात कर मामले में विरोध जताया।सांसद आनंद भदौरिया ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान भाजपा के लोगों ने धांधली की। इसका विरोध करने पर सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज करा दिए गए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मुकदमे वापस नहीं लिए गए तो समाजवादी पार्टी बड़ा आंदोलन करेगी। सपा नेताओं ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर पूर्व विधायक सुनील कुमार भार्गव 'लाला' समेत नौ लोगों पर दर्ज मुकदमे को समाप्त करने की मांग की।एकतरफा कार्रवाई का आरोप सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि 23 अक्टूबर को मतदान के दौरान भाजपा के पूर्व सांसद जुगुल किशोर और कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू के समर्थकों सहित मतदान केंद्र के अंदर जाने पर सपा कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया था। इसे लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। सपा नेताओं का दावा है कि विवाद के बाद दोनों पक्षों ने पुलिस को तहरीर दी, लेकिन सत्ता पक्ष के दबाव में एकतरफा कार्रवाई की गई।ज्ञापन में मुकदमे को फर्जी बताते हुए उच्च अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई। सपा नेताओं ने कहा कि न्यायसंगत कार्रवाई होनी चाहिए और निर्दोष लोगों को मुकदमे में नहीं फंसाया जाना चाहिए। ज्ञापन देने वालों में पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा, आरएस कुशवाहा, त्री डॉ. आरए उस्मानी, पूर्व विधायक रामपाल सिंह यादव, आनंद भदौरिया, उत्कर्ष वर्मा और रामसरन यादव समेत कई पदाधिकारी शामिल रहे।

मथुरा में कार बचाने के चक्कर में पेट्रोल से भरा टैंकर पलटा, बाल्टी-बर्तन लेकर तेल लूटने दौड़े ग्रामीण

मथुरा के महावन में बरेली-जयपुर हाईवे पर गलत दिशा से आ रही कार को बचाने के प्रयास में पेट्रोल से भरा टैंकर पलट गया। हादसे के बाद कुछ ग्रामीण बाल्टी-बर्तन लेकर पेट्रोल भरने पहुंच गए, जिन्हें पुलिस ने रोका। सूचना पर दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और स्थिति संभाली। हादसे के चलते हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ, हालांकि कोई बड़ा हादसा होने से बच गया।मथुरा के महावन में बरेली-जयपुर हाईवे पर मंगलवार दोपहर करीब दो बजे नगला जंगली महावन के पास पेट्रोल से भरा टैंकर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। टैंकर पलटने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दमकल को बुलाया। दमकल की चार गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया।जानकारी के अनुसार, नायरा कंपनी का टैंकर मथुरा रिफाइनरी से पेट्रोल लेकर मुजफ्फरनगर जा रहा था। नगला जंगली के पास गलत दिशा से आ रही कार को बचाने के प्रयास में चालक टैंकर से नियंत्रण खो बैठा। इससे टैंकर हाईवे पर पलट गया।टैंकर पलटने की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण बाल्टी और बर्तन लेकर मौके पर पहुंच गए। कुछ लोग टैंकर से पेट्रोल भरकर ले जाने लगे। पुलिस ने ग्रामीणों को रोककर मौके पर स्थिति नियंत्रित की। हादसे के चलते बरेली-जयपुर हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इससे यातायात प्रभावित रहा। पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में जुटे रहे।

संक्षिप्त समाचार

सांप ने डसा तो युवक नशे में सांप को डिब्बे में बंद कर पहुंचा जिला अस्पताल, हुआ इलाज

सांप ने युवक को डस लिया। नशे में युवक सांप को डिब्बे में बंद कर जिला अस्पताल पहुंचा। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के क्योटरा मोहल्ले का है।सांप के डसने पर शराब के नशे में युवक उसे डिब्बे में बंद कर जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंच गया। सांप को साथ देखकर वहां हड़कंप मच गया। डॉक्टर ने युवक का परीक्षण कर इलाज किया। शहर कोतवाली क्षेत्र के क्योटरा मोहल्ला निवासी रामध्वज (34) को सोमवार शाम करीब छह बजे सांप ने डस लिया। युवक सांप को पकड़कर डिब्बे में बंद कर ट्रॉमा सेंटर पहुंचा।वहां ईएमओ डॉ. प्रदीप गुप्ता को सांप के डसने की जानकारी दी। डिब्बे में सांप देखकर डॉक्टर और अन्य लोगों ने उसे बाहर ले जाकर छोड़ने को कहा, लेकिन युवक तैयार नहीं हुआ। डॉ. प्रदीप गुप्ता ने बताया कि युवक नशे में था। परीक्षण के दौरान उसके शरीर पर सांप के डसने के निशान नहीं मिले, लेकिन युवक के बताने के आधार पर उसका इलाज किया गया।

घर में निकला सांप, देख बच्चे ने डायल 112 पर किया कॉल, समझदारी से बची जान

घर या आसपास सांप दिखने पर सबसे पहले उससे सुरक्षित दूरी बना लें। सांप को खुद पकड़ने या मारने का प्रयास बिल्कुल न करें, यह जानलेवा साबित हो सकता है। बच्चे की तरह तुरंत डायल 112 या वन विभाग को इसकी सूचना दें।कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के मोहल्ला श्रीनगर नई बस्ती निवासी अलिखेश पाठक के घर में सोमवार रात सांप देखकर परिवार दहशत में आ गया। घर में मौजूद बच्चे ने समझदारी का परिचय दिया और समय रहते आपातकालीन सेवा डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस और वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद सांप को पकड़ लिया, जिसके बाद परिवार ने राहत की सांस ली। परिजनों ने बताया कि एक फीट लंबा सांप घर में रखे आलुओं के बीच छिपकर बैठ गया। घटना के समय घर में महिलाएं व छोटे बच्चे ही मौजूद थे। अचानक सांप को देखकर बच्चे डर गए। नौ साल के मयंक ने संयम से काम लेते हुए तुरंत डायल 112 पर संपर्क किया। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। वन विभाग को भी सूचना दी गई।प्रभागीय वनाधिकारी राकेशचंद्र यादव ने बताया कि इस तरह की आपात स्थिति में घबराने के बजाय सूझबूझ से काम लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि घर या आसपास सांप दिखने पर सबसे पहले उससे सुरक्षित दूरी बना लें। सांप को खुद पकड़ने या मारने का प्रयास बिल्कुल न करें, यह जानलेवा साबित हो सकता है। बच्चे की तरह तुरंत डायल 112 या वन विभाग को इसकी सूचना दें

पीलीभीत टाइगर रिजर्व: पीटीआर में सफारी की एडवांस बुकिंग शुरू, मुख्यालय से करा सकेंगे आरक्षण

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में एक नवंबर से पर्यटन सत्र शुरू होगा। पर्यटकों की सुविधा के लिए सफारी वाहनों की एडवांस बुकिंग शुरू कर दी गई है। पर्यटक अब सात दिन पहले तक ऑफलाइन बुकिंग करा सकेंगे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में एक नवंबर से शुरू होने वाले पर्यटन सत्र को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। पर्यटकों की सुविधा के मद्देनजर टाइगर रिजर्व मुख्यालय से सफारी वाहनों की एडवांस बुकिंग शुरू कर दी गई है। पर्यटक अब सात दिन पहले तक सफारी वाहन की ऑफलाइन बुकिंग करा सकेंगे। इस व्यवस्था के तहत करीब 50 फीसदी वाहनों की बुकिंग मुख्यालय से होगी। वहीं, पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस बार सभी सफारी वाहनों को जीपीएस से लैस किया जा रहा है। इससे मुख्यालय से वाहनों की ऑनलाइन निगरानी की जा सकेगी। पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र एक नवंबर से शुरू होगा। हर साल देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। पर्यटकों को जंगल की सैर कराने के लिए जीनान और जिप्सी वाहनों का संचालन किया जाता है। इन वाहनों से पर्यटक चूका बीच समेत टाइगर रिजर्व के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचते हैं। आगामी सत्र में कुल 95 सफारी वाहन संचालित किए जाएंगे। इनमें 28 जीनॉन और 67 जिप्सी शामिल हैं।

भोपाल में धूमधाम से मनाई गई महाराजा अजमीढ़ देव जयंती, मेधावी छात्रों को मिला प्रोत्साहन एवं समाजसेवियों का हुआ सम्मान

@ क्यूँ न लिखूँ सच

विदिशा-(हाकम सिंह रघुवंशी) विदिशा / मध्य प्रदेश स्वर्णकार समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में आज स्वर्णकार समाज के आराध्य देव महाराजा अजमीढ़ देव जी की जयंती बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ किलोल पार्क तिराहा, भोपाल स्थित महाराजा अजमीढ़ देव की मूर्ति स्थल पर विधि-विधान से गंगाजल अभिषेक और पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति- कार्यक्रम में भोपाल की प्रथम नागरिक महापौर श्रीमती मालती राय एवं विधायक श्री भगवान दास सबनानी ने विशेष रूप से उपस्थित होकर भगवान महाराजा अजमीढ़ देव की पूजा-अर्चना की और समाज को जयंती की बधाई दी।

मेधावी छात्र-छात्राओं का प्रोत्साहन- इस अवसर पर समिति के प्रदेश अध्यक्ष श्री ओ.पी. सोनी ने समाज की प्रतिभावान मेधावी छात्र-छात्राओं को शिक्षा हेतु 5,000 की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया।

इसके साथ ही, प्रदेश अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री से स्वर्ण कला बोर्ड% के शीघ्र पुनर्गठन की पुरजोर मांग की।

संरक्षकों, समाजसेवियों एवं विशिष्ट जनों का सम्मान- समारोह के दौरान कल्याण समिति द्वारा समाज के संरक्षकों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

चुनाव अधिकारी- समाज का सफल चुनाव संपन्न कराने वाले चुनाव अधिकारियों-श्री पी. एन. स्वर्णकार, श्री तरुण सोनी एवं श्री विनोद सोनी का विशेष सम्मान किया गया।

विशिष्ट अतिथि- अखिल भारतीय स्वर्णकार समाज महासंघ के अध्यक्ष श्री राजकुमार सर्राफ, म.प्र. स्वर्णकार समाज कल्याण समिति के प्रादेशिक कार्यकारी अध्यक्ष श्री अरुण कुमार सोनी, चौक क्षेत्र की पार्षद श्रीमती विनीता सोनी एवं पूर्व पार्षद श्री सोनू भाभा का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यालयीन महामंत्री श्री एस. एन. सोनी एवं जिलाध्यक्ष श्री नंदकिशोर सोनी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विकास बड़कूल, राकेश सोनी, राजेश सोनी, संतोष सोनी, शहर अध्यक्ष नितिन स्वर्णकार, अशोक वर्मा, मुकेश सोनी, मुरारी सोनी, वीरेंद्र सोनी, सचिन सोनी, अजय सोनी सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु, महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। अंत में अध्यक्ष ओ.पी. सोनी ने सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर भरी बस पलटी, 25 घायल; 10 की हालत गंभीर; सात एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाए

उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर मजदूरों से भरी निजी बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में 25 लोग घायल हुए, जिनमें दस की हालत गंभीर है। सात एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर घायलों को दर्शननगर मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जबकि अन्य का उपचार जारी है।पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर मंगलवार दोपहर मजदूरों से भरी एक निजी बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में 25 यात्री घायल हो गए, जिनमें 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायलों को दर्शननगर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जबकि अन्य घायलों का कुमारगंज स्थित सौ शैय्या संयुक्त

चिकित्सालय में इलाज चल रहा है। दुर्घटना हलियापुर थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के मुताबिक, बिहार के नवादा जिले के अकौना थाना क्षेत्र के नया गांव निवासी करीब 60 मजदूर निजी बस से बाराबंकी के एक ईंट-भट्ठे पर काम करने जा रहे थे। इसी दौरान पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अचानक बस अनियंत्रित हो गई। डिवाइडर से टकराने के बाद बस सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।सात एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाए गए घायल- दुर्घटना की सूचना मिलते ही एक्सप्रेसवे कर्मियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सात एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

एक साथ कई घायलों के अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों की टीम तत्काल उपचार में जुट गई। सीएमएस डॉ. रवि पांडेय के नेतृत्व में घायलों का इलाज शुरू किया गया।एसडीएम ने अस्पताल पहुंचकर जाना हाल- मिल्कीपुर के एसडीएम पवन कुमार शर्मा ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल 10 लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें दर्शननगर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। अन्य घायलों का उपचार जारी है।

यूपी कैबिनेट: प्रदेश में चार लिंक एक्सप्रेसवे को मंजूरी, 17,542 करोड़ रुपये होंगे खर्च; बढ़ेगी कनेक्टिविटी

उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने चार लिंक एक्सप्रेसवे परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिन पर 17,542 करोड़ रुपये खर्च होंगे। निर्माण तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य है। झांसी-ललितपुर में भंडारण क्षमता बढ़ेगी। ग्रेटर नोएडा में निवेश और प्रयागराज में 845 आवासों के निर्माण को भी मंजूरी मिली है।उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने प्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए चार लिंक एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के निर्माण से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं पर कुल 17,542 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। निर्माण कार्य को तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा झांसी-ललितपुर में भंडारण क्षमता बढ़ाने, ग्रेटर नोएडा में निवेश और प्रयागराज में आवासीय सुविधाओं के विकास से जुड़े प्रस्तावों पर भी अहम फैसले लिए गए। चार लिंक एक्सप्रेसवे से बढ़ेगी कनेक्टिविटी- यूपीडा के प्रस्ताव के तहत चार लिंक एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के निर्माण के लिए इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड पर सहमति दी गई है। इनमें फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाला लिंक एक्सप्रेसवे, झांसी लिंक एक्सप्रेसवे और जेवर लिंक एक्सप्रेसवे शामिल हैं।फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के दो पैकेजों की कुल लंबाई करीब 90 किलोमीटर होगी। वहीं, झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के दो पैकेजों की कुल लंबाई 106 किलोमीटर और जेवर लिंक एक्सप्रेसवे की लंबाई 74 किलोमीटर प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच सड़क संपर्क बेहतर होने की उम्मीद है। निर्माण एजेंसियों को परियोजनाएं पूरी करने के बाद पांच साल तक एक्सप्रेसवे का रखरखाव भी करना होगा।झांसी-ललितपुर में बढ़ेगी भंडारण क्षमता- कैबिनेट ने सहकारिता विभाग के प्रस्ताव के तहत झांसी और ललितपुर में 6.5 लाख मीट्रिक टन की अतिरिक्त भंडारण क्षमता विकसित करने की योजना को भी मंजूरी दी है। इसके लिए 5.47 हेक्टेयर जमीन पर निर्माण किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में 654 करोड़ रुपये का निवेश- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से जुड़े प्रस्ताव के तहत ग्रेटर नोएडा में एंपावर्ड कमेटी की संस्तुति को मंजूरी दी गई। इसमें एकागो हॉस्पिटेलिटी का 654 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव शामिल है। वहीं, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) नीति के तहत चार कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी करने पर सहमति बनी है। इनमें हैवेल्स का नोएडा में 889 करोड़ रुपये, अमेरियोराइड इंडिया एलएलपी का 112 करोड़ रुपये, मेटलाइफ ग्लोबल का 84 करोड़ रुपये और एलजी सॉफ्ट का 634 करोड़ रुपये का प्रस्ताव शामिल है।प्रयागराज में बनेंगे 845 आवास- कैबिनेट ने प्रयागराज में हाईकोर्ट के अधिकारियों के लिए 845 आवास बनाने के प्रस्ताव को वित्तीय मंजूरी दी है। इसके अलावा शहर में ऑडिटोरियम और वर्किंग वुमन हॉस्टल के निर्माण से जुड़े प्रस्ताव भी पारित किए गए हैं। इन फैसलों के जरिए प्रदेश में सड़क अवसंरचना, भंडारण सुविधाओं, निवेश और शहरी सुविधाओं के विकास को गति देने की योजना है।

संक्षिप्त समाचार

479 दिव्यांग जनों को मिले सहायक उपकरण

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) सशक्तीकरण विभाग द्वारा राजकीय संकेत विद्यालय, नावल्टी चौराहा स्थित कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के अंतर्गत एक शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार और सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार शामिल हुए। शिविर में कुल 479 लाभार्थियों को उपकरण वितरित किए गए, जिनमें 200 ट्राईसाइकिल, 109 श्रवण यंत्र, 50 व्हीलचेयर, 50 स्मार्ट केन, 52 एम.आर. किट, 12 लेप्रोसी किट और 6 बैसाखी शामिल हैं। अतिथियों का वक्तव्य- राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वहीं, सांसद छत्रपाल गंगवार ने योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए विभाग की सराहना की। कार्यक्रम में उपनिदेशक संगीता सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी चमन सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य बलवन्त सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आवेदकों से किया सीधा संवाद, मौके पर समस्याओं का कराया समाधान

@ क्यूँ न लिखूँ सच

विदिशा-(हाकम सिंह रघुवंशी) मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आवेदकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं। कलेक्टर श्री गुप्ता के साथ-साथ अन्य अधिकारियों ने भी नागरिकों से सीधा संवाद किया। कलेक्टर ने पात्र

हितग्राहियों को आवास राशि दिलाने, भूमि संबंधी समस्याओं के निराकरण और राशन कार्ड बनवाने, बिजली बिल, नामांतरण, सीमांकन सहित राजस्व से संबंधित विभिन्न मामलों में अधिकारियों को समय-सीमा में कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न आवेदकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए बैठने एवं पेयजल जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सुरभि तिवारी तथा अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों ने स्वयं आवेदकों के बीच पहुंचकर उनसे सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं के निराकरण की पहल की। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने एक-एक आवेदक के पास पहुंचकर आवेदन प्राप्त किए तथा उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना। जिन समस्याओं का समाधान मौके पर संभव था, उनका तत्काल निराकरण कराया गया, जबकि शेष मामलों में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

मांग-आपूर्ति में अंतर से पनप रहा मिलावट का कारोबार

बरेली।(ब्यूरो) बरेली।आम दिनों में दूध की नियमित आपूर्ति पूरी करने में दूध उत्पादकों के पसीने छूट जाते हैं। त्योहारों और शादी-विवाह के सीजन में अचानक मांग डबल हो जाने पर मिलावटखोर सक्रिय हो जाते हैं। त्योहारी मांग का लाभ उठाते हुए मिलावटखोर बाजार में सिंथेटिक दूध, मावा,पनीर आदि खपा देते हैं। बरेली जिले में अनुमानित दुग्ध उत्पादन लगभग 11 से 12 लाख लीटर प्रति दिन का है। ग्रामीण और संगठित क्षेत्र के कुल उत्पादन का लगभग 35 फीसदी हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में खुद की खपत में ही खर्च हो जाता है। शेष 65 फीसदी हिस्सा बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध होता है।

कुएं में गिरने से मादा तेंदुए की मौत, वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर बाहर निकाला

कालिंजर थाना क्षेत्र में खेत के कुएं में गिरने से दो साल की मादा तेंदुए की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर तेंदुए को कुएं से बाहर निकाला। इसके बाद तीन सदस्यीय पशु चिकित्सकों की टीम ने पोस्टमार्टम किया। वन विभाग के अनुसार चित्रकूट और पन्ना टाइगर रिजर्व के आसपास के जंगलों से भटककर तेंदुआ मध्य प्रदेश की सीमा पार कर उत्तर प्रदेश के कालिंजर क्षेत्र में पहुंच गया था। यहां पहाड़ के पीछे खेत में स्थित कुएं में गिरने से उसकी मौत हो गई।

ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग के एसडीओ अनुभव सिंह, वन दरोगा सुनील सिंह और वन दरोगा रमेश शुक्ला समेत टीम मौके पर पहुंची। टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर तेंदुए को कुएं से बाहर निकाला।डिप्टी सीवीओ नरैनी डॉ. विजय कमल, डिप्टी सीवीओ अतर्रा डॉ. निर्मल गुप्ता और पशु चिकित्साधिकारी करतल डॉ. अभिषेक कुमार ने तेंदुए का पोस्टमार्टम किया। वन दरोगा सुनील सिंह ने बताया कि मृत तेंदुआ मादा थी और उसकी उम्र करीब दो वर्ष थी। पोस्टमार्टम के बाद करतल स्थित वन विभाग की चौकी में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

Now, heartbeats will generate electricity: Pacemakers will be battery-free, scientists have created a mesh of microscopic generators.

Scientists have created a mesh of microscopic electrical generators within laboratory-grown human heart tissue. This technology could raise hopes for battery-free pacemakers in the future. Scientists have raised new hopes for converting each heartbeat into electricity to power medical devices. Engineers at the University of Massachusetts Amherst, USA, have created a mesh of microscopic electrical generators within laboratory-grown human heart tissue. These generators generated electrical signals as the tissue beats. This technology could pave the way for future pacemakers and other implanted medical devices to reduce battery dependence. However, it has only been tested on laboratory-grown tissue. The research is published in the scientific journal Science Advances. The researchers created a mesh from extremely thin strips of plastic, embedded with 64 microscopic strips of a ceramic material called lead zirconate titanate (PZT). This material generates electrical voltage when bent. The mesh is approximately 7 by 8 millimeters in size, and approximately 78 percent of it is empty to allow living tissue to grow within it. The voltage increased to 450 to 750 millivolts. In the initial design, each generator generated a signal of approximately 9 millivolts per heartbeat. Subsequently, the scientists modified the design by increasing the thickness of the layers in the generator area, increasing the estimated voltage to 450 to 750 millivolts. The uniqueness of this technology goes beyond generating electricity. By generating electrical signals in sync with heartbeats, the mesh could also serve as a heart rate monitoring sensor in the future, potentially reducing the need for separate batteries. Surgery remains a major challenge. Medical devices such as pacemakers, brain electrical signaling devices, and cochlear implants require batteries to power them. Battery size, limited capacity, and potential replacement surgeries are major challenges. This research has raised great hopes.

Important to know: How much does using a mobile phone while on the toilet affect your health?

These days, most people prefer to take their mobile phones to the toilet. Let's find out how much and how this affects your health... In today's digital age, mobile phones have become an integral part of our lives. From waking up in the morning until going to bed at night, people use their mobile phones. Many people have even made it a habit to take their phones with them to the toilet. Some scroll through social media, others read the news or watch videos. But did you know that using a mobile phone for extended periods while on the toilet can have a negative impact on your health? Therefore, it's important to understand the harmful effects of using a mobile phone while on the toilet and what precautions should be taken to avoid it. What effects does using a mobile phone while on the toilet have on health? 1. The risk of hemorrhoids can increase. People tend to sit for longer than necessary while using a mobile phone. Sitting on the toilet seat for long periods can put pressure on the nerves in the anal area. This can increase the risk of hemorrhoids, especially if you are constipated or have a tendency to strain during bowel movements. 2. Risk of bacteria and infection - Taking your phone to the toilet can spread germs to the surface of the phone. Using the phone without cleaning it and then eating or touching your face can spread germs. Although not all bacteria cause disease, regular cleaning of the phone and hand washing are essential. 3. Constipation can increase. Being busy with your phone can make people ignore the body's natural signals or spend more time in the toilet than necessary. If you have constipation or difficulty defecating, your phone can't be solely the cause. Adequate water, fiber, and physical activity are also essential. 4. Neck and back pain - Sitting for long periods of time with your neck bent to look at your phone can put pressure on the neck, shoulders, and back muscles. This can cause pain and stiffness. How to avoid using your phone in the toilet? Avoid taking your phone with you to the toilet. Don't sit on the toilet seat for unnecessarily long periods of time while defecating. If you have constipation, increase your fiber intake and drink plenty of water. Washing hands with soap after using the toilet is essential. Clean your mobile phone according to the manufacturer's instructions. Don't ignore blood in your stool, persistent pain, or constipation. Note that using your mobile phone while on the toilet isn't necessarily a cause of any illness. The biggest concerns are sitting for too long, straining during bowel movements, and neglecting hygiene.

Health Talk: Does eating an apple daily reduce cholesterol and the risk of heart disease? Learn these facts

Apples are rich in nutrients and soluble fiber. Regular consumption can help maintain good cholesterol and triglyceride levels. Apples can help maintain good digestion, promote satiety, and control blood sugar. A balanced and nutritious diet is essential for staying healthy. Fruits should be included in your daily diet. They contain nutrients like vitamins, minerals, fiber, and antioxidants. Apples are one such fruit, which, along with being delicious, can provide numerous health benefits. The nutrients present in them help maintain normal body function. Regular consumption of apples is also considered beneficial for heart health. Some studies have shown that their consumption can help reduce cholesterol. The soluble fiber in apples helps reduce bad cholesterol. Additionally, fiber helps maintain proper digestion and keeps the stomach feeling full for longer. Let's explore how eating an apple daily can benefit the heart and digestion. "An apple a day keeps the doctor away"—"An apple a day keeps the doctor away." This saying reflects the nutritional benefits of apples, although eating apples alone doesn't guarantee protection from all diseases. The soluble fiber present in apples, especially pectin, helps lower bad cholesterol levels in the body. This can contribute to better heart health. Furthermore, consuming apples, along with a balanced diet and regular physical activity, can help control blood pressure and the risk of heart disease. Effect on bad cholesterol and triglycerides—Controlling bad cholesterol and triglyceride levels is essential for heart health. A study published in The American Journal of Clinical Nutrition found that participants who ate two apples daily experienced reductions in bad cholesterol and triglyceride levels. This suggests a potential beneficial link between regular apple consumption and heart health. Some studies have also linked apple consumption to a reduced risk of stroke, with a 52 percent reduction in stroke risk. Apples' benefits aren't limited to heart health. The fiber in apples also helps maintain a healthy digestive system. Apples contain soluble fiber, which supports the digestive process in the intestines. This can help regulate bowel movements and relieve constipation. Furthermore, fiber keeps the stomach feeling full for longer, which can reduce hunger pangs. According to the Harvard T.H. Chan School of Public Health, fiber-rich foods are essential for a balanced diet. The fiber in apples also helps regulate blood sugar levels. Eating apples with the peel after washing them thoroughly can give maximum benefits of fiber.

Karan Wahi: Where did he want to take his relationship with Uditi? The actor said, "There wasn't the necessary compatibility."

Actor Karan Wahi has opened up about his past relationship with Uditi Singh. He revealed that marriage was on his mind when they entered into the relationship. In a conversation with Siddharth Kannan, Karan started dating and why things didn't turn into marriage. Karan said he was their relationship to turn into marriage, clarified that this didn't mean they had were about to get married. Recalling they weren't completely compatible. At Wahi says he wanted his relationship relationship. Recalling the beginning of he was in his early 30s at the time. He romantic relationship. He said, "When old. So, I was at an age where I felt that to marriage." People misunderstood the his intention was to have a relationship However, he clarified that people they were about to get married. was nothing that we were going to get I just meant that the relationship could misunderstood it to mean 'we were going breakup? Karan shared his perspective

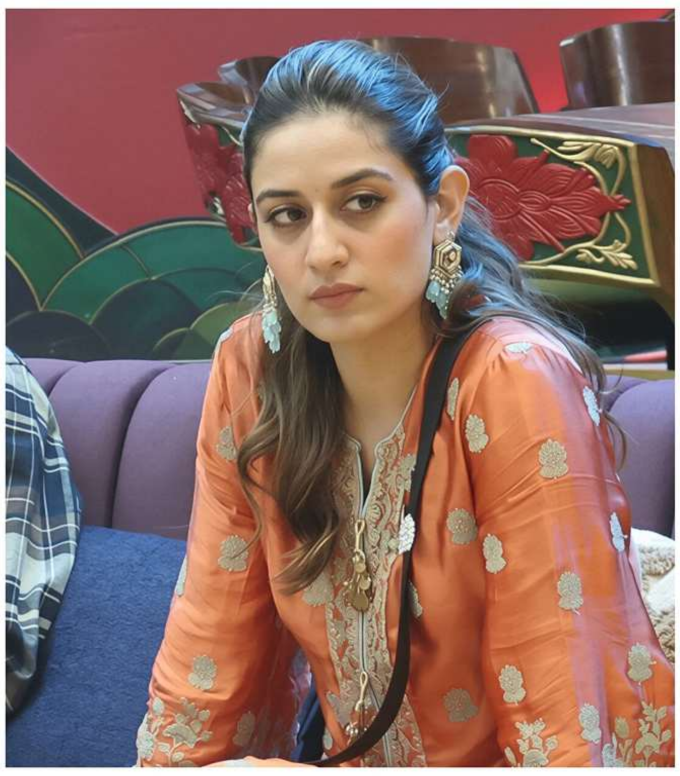

explained his expectations when they work out. He wanted the relationship to at a stage in his life where he wanted not just a commitment. However, he made any firm plans for marriage or their relationship, the actor said he felt what age did they start dating? Karan with Uditi Singh to turn into a married their relationship, Karan explained that knew exactly what he wanted from a I started dating her, I was 33-34 years if I get into a relationship, it should lead relationship - The actor explained that that could eventually lead to marriage. interpreted this intention to mean that Clarifying the situation, he said, "There married or had any plans to get married. lead to marriage, but people to get married.'" What led to the on the breakup, discussing what went wrong between them. He admitted that perhaps their relationship lacked the chemistry needed to sustain it. He said, "I think we both lacked the necessary chemistry. At least that's true for me." What was the age difference? The actor also addressed speculation about the reasons for their separation. He dismissed suggestions that parental interference or family objections were the reason for their breakup. Although their relationship attracted attention due to their age difference of almost 10 years, Karan did not cite this as the reason for their separation. What did Uditi say about the relationship? Meanwhile, Uditi also spoke about her former relationship with Karan during her participation in "Bigg Boss 20." The actress revealed that they often argued before deciding to separate. She also spoke about the difficulties they faced as a couple.

Salman Khan: Bhaijaan did not attend the launch event of his dream project, sent a video message

Salman Khan announced a luxury residential project in Punjab. However, when the launch event took place, the Dabangg Khan was unable to attend. The actor kept himself away from the launch event, but did send a video message. Salman Khan has launched a residential project in Punjab. The launch event for this luxury project, called "SK Towers," was held, but Salman did not attend. Salman has signed a contract with GB Realty and Jacob & Company for this dream project. The project is also named "SK Towers" after Salman Khan. However, he himself was not a part of the launch event. What did Salman say in the video message? - Salman Khan did not attend the launch event for "SK Towers." Instead, he sent a video message. According to media reports, Salman did not attend the event due to threats from the Lawrence Bishnoi gang and security concerns. According to a report in the Times of India, Salman Khan was unable to attend the launch event, but he sent a video message for the occasion. He said, "Due to some important reasons, I couldn't come tonight, but even though I'm not physically present, my heart, my soul, and my best wishes are with you." Six towers and an investment of so many crores - The project was announced through an advertisement in which the actor collaborated with luxury watch and jewelry brand Jacob & Co. and real estate firm GB Realty. This project, named after Salman Khan, will have six towers and involve an investment of approximately ?2,500 crore. A high-rise development is being promoted in Salman's name within this luxury residential project. Was the distance maintained due to threats from the Bishnoi gang? One reason for Salman Khan's absence from the project's launch event is being cited as threats from the Bishnoi gang. According to media reports, Salman is not attending this event due to threats from the Lawrence Bishnoi gang. It should be noted that actor Tiger Shroff was recently shot in Mumbai, narrowly escaping. The investigation also revealed that an attack on Salman Khan was originally planned, but this was prevented due to tight security. On the work front, Salman is currently shooting for "Monster," which also stars Nayanthara. He is also garnering attention for his film "Matrubhoomi."

The film's new song, "Mangal Rang," has been released, featuring glimpses of Ram and Sita's wedding; Arijit and Shreya put their heart and soul into it.

The audience is excited about the upcoming film "Ramayana." The makers are providing daily updates and revealing grand glimpses of the film. As part of this effort, the makers have released a new song from the film, "Mangal Rang," from the upcoming film Kapoor and Sai Pallavi as Lord Ram and Ghoshal, composed by A.R. Rahman. premiered before - The song was music and visuals generated spectacular musical touch to the film, Wedding Glimpse - The song "Mangal Sita. The song offers a musical glimpse Pallavi in ??the lead roles. After the first about Ranbir and Sai's looks and the for the first time" - "Ramayana" marks winning composer Hans Zimmer.

which showcases Ram and Sita's wedding. The new song, "Ramayana," was released on October 25th. It features Ranbir Mother Sita. The song is sung by Arijit Singh and Shreya Kumar Vishwas has written the lyrics. The song has been previously premiered at a launch event in Chennai, where its considerable excitement. "Mangal Rang" adds another which is slated to release in theatres on November 5, 2026. Geet," released on October 25, depicts the wedding of Ram and of the wedding ceremonies, featuring Ranbir Kapoor and Sai glimpse of the song was released, there has been a lot of buzz wedding scenes. "Rahman is collaborating with Hans Zimmer the first time A.R. Rahman will be collaborating with Oscar-Zimmer is known for his work on films like "The Lion King," "Gladiator," and "Dune." Through 'Mangal Rang', the producer has created more excitement among the fans about the film. Information about the film - Directed by Nitesh Tiwari, 'Ramayan' stars Ranbir Kapoor as Lord Ram, Sai Pallavi as Sita, Yash as Ravana. According to reports, the duration of the Hindi and English versions of 'Ramayan' may be different. It is claimed that the Hindi version will be around 3 hours 15 minutes, while the English version may be around 2 hours 45 minutes. This difference may be because some songs may be removed from the film for the international audience.